ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-७१ **टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६**

दिनांक-सोमवार,१ अक्टूबर,२०१८

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.२ एवं २४.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ सुबह में एवं दोपहर में ६१ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.४ एवं दोपहर में ३४.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

• मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२ से ६ अक्टूबर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २ से ६ अक्टूबर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३३ से ३५ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २३ से २५ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ३ से ५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है। तराई जिलों में मुख्यतः पुरवा हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७० से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई खेतों में खड़ी फसलों में सिंचाई एवं निकाई-गुराई का कार्य करें। भंडारित अनाज की जाँच कर लें एवं अनाज में कीटों का प्रकोप दिखने पर सुखाने का कार्य प्राथमिकता से करें।
- किसान भाई रवी फसलों की बुआई पूर्व खेतों, खेत से सटे मेड़ों, नालों एवं आस-पास के रास्तों में उगे अवांछित जंगलो की साफ-सफाई प्राथमिकता से करे। ताकि इन जंगलों में छिपे कीट व रोगों के कारक आदी सम्पूर्ण रुप से नष्ट हो जाए। फसलों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी-गली गोबर खाद का प्रबंध करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है।
- सब्जियों की फसलों में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- धान की फसल जो गाभा की अवस्था में हों, उसमें सिंचाई कर प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ जब पौधों में बाली निकलती है तो यह बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक-एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०-१५ किलोग्राम की दर से भूरकाव ८ बजे सुबह से पहले अथवा ५ बजे शाम के बाद बालियों पर करें। खतों के आस-पास के मेड़ों पर दवा का भूरकाव अवश्य करें।
- फुलगोभी की फसल में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फूलगोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड ४८ इ०सी० दवा एक मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। फूलगोभी की पिछात किस्मो जैसे *माघी, स्नोकिंग, पूसा स्नोकिंग-१, पूसा-२, पूसा स्नोवॉल-१६, पूसा स्नोवॉल के-१* की बुआई नर्सरी में करें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। शुरुवाती रोक-थाम के लिए बैगन की रोपाई के १०-१५ दिनों बाद १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला दें। खड़ी फसल में इस कीट का आक्रमण होने पर कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ ई०सी०/१ मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी या क्वीनालफॉस २५ ई०सी० दवा का १.५ मि०मी० प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करे।
- सितम्बर में बोयी गई अरहर की फसल में निकाई-गुड़ाई करें। जून-जूलाई में बोयी गई अरहर में कीट-व्याधि का निरीक्षण करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.७ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २३.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.३ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी